MAHAMEDHA 24 NOV 08

सात दिवसीय आनंद लहर आंदोलन कार्यक्रम शुरू

संवाददाता/नई दिल्ली

ईशा फाउंडेशन नामक गैर सरकारी संगठन द्वारा सात दिवसीय आनंद लहर आंदोलन कार्यक्रम की शुरुआत बड़ी ही धूमधाम के साथ सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में की गई। कार्यक्रम की शुरुआत सद्गुरु जे. वासुदेव ने की। फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु श्री वासुदेव ने कहा कि हर आदमी को खुश रहना चाहिए। लेकिन उसकी खुशी परिवार, संबंधों, व्यवसाय या काम और कई सारे अन्य बाहरी कारकों व चीजों पर निर्भर करती है। दुर्भाग्यवश बाहरी कारकों से आने वाली ऐसी खुशी अक्सर क्षणिक और बेहद कमजोर साबित होती है। उन्होंने कहा कि खुशी जीवन की ऊर्जा की अभिव्यक्ति है और हम सभी में अपनी खुशी के स्रोत बनाने की क्षमता होती है। उन्होंने कहा कि अगर आपके शरीर को कहीं सुकून मिलता है तो हम उसे खुशी कहते हैं। अगर आपके दिमाग को कहीं सुकून मिलता है तो हम उसे शांति, खुशी कहते हैं, और अगर आपकी भावनाओं को सुकून मिलता है तो हम उसे प्यार कहते हैं।वहीं अगर आपकी जीवन ऊर्जा को कोई सुकून या खुशी मिलती है तो हम उसे आशीर्वाद या चरम सुख कहते हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी-2009 में स्विट्जरलैंड में होने वाले वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में उन्हें लगातार चौथे साल अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। इन सातों दिनों में सीरिज के जरिए योग के प्राचीन सिद्धांतों पर आधारित वैज्ञानिक तकनीक से लोगों को अवगत कराया जाएगा। इसका आयोजन दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में भी किया जाएगा।

बाहरी कारकों से आने वाली खुशी अक्सर क्षणिक व कमजोर साबित होती है : वासुदेव